डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

पत्रांकः लो0अ0वि0/सम्ब0/2019/ 261 दिनांक : 30-05-2019

सम्बद्धता आदेश

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 (यथासंशोधित) उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2014 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-14 सन् 2014) की धारा-37(2) के परन्तुक के अधीन कार्य परिषद द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में माननीय कुलपति जी के आदेश **दिनॉक 30.05.2019** के अनुपालन में **देव इन्द्रावती महाविद्यालय, अरखापुर, टाण्डा, अम्बेडकरनगर के परास्नातक स्तर पर कला संकाय के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृत विषयों** को स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत संचालित किये जाने हेतु शैक्षिक **सत्र 2019-20** से आगामी दो वर्षो हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों/शर्तो के अधीन प्रदान की जाती है।

1. **प्रस्तावित पाठ्यक्रम/विषयों की अस्थायी सम्बद्धता हेतु प्राप्त निरीक्षण मण्डल आख्या को दिनॉकः 30 मई, 2019 को सम्बद्धता समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सम्बद्धता समिति द्वारा उक्त प्रकरण पर यह पर यह निर्णय लिया गया है कि प्रश्नगत् महाविद्यालय को इस शर्त के साथ अस्थायी सम्बद्धता प्रदान की जाती है कि दिनॉकः 30 जून, 2019 के पूर्व याचित पाठ्यक्रम/विषय में मानकानुसार शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित करा लिये जाय। यदि महाविद्यालय द्वारा उक्त तिथि तक शिक्षकों का अनुमोदन नहीं करा लिया जाता है तो याचित पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष (सत्र 2019-20) हेतु छात्र एवं छात्राओं का प्रवेश कदापि न किये जाये तथा निर्गत सम्बद्धता स्वतः समाप्त मानी जायेगी।**
2. संस्था/महाविद्यालय शासनादेश संख्याः 2851/सत्तर-2-2003-15(92)/2002 दिनांक 2 जुलाई, 2003 मे उल्लिखित सुसंगत दिशा-निर्देशों एवं इस विषय मे समय-समय पर अन्य सुसंगत शासनादेशों का पालन करेगी।
3. संस्था/महाविद्यालय कुलसचिव को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रति वर्ष प्रेषित करेगा कि महाविद्यालय को प्रदान की गई सम्बद्धता की शर्ते महाविद्यालय निरन्तर पूरी कर रहा है।
4. संस्था/महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय की अधिनियम/परिनियमावली में वर्णित तथा शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तो एवं मानकों की पूर्णता एवं उनकी निरन्तरता को सुनिश्चित न किये जाने की दशा में उ0प्र0 राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के प्रविधानों के अन्तर्गत संस्था को प्रदान की गई सम्बद्धता वापस किये जाने की कार्यवाही नियमानुसार की जायेगी।
5. संस्था/महाविद्यालय को सम्बद्धता आदेश महाविद्यालय द्वारा प्रमाणित प्रपत्रों एवं सूचनाओं के आधार पर जारी किया जा रहा है। प्रमाणित प्रपत्रों/सूचनाओं के असत्य पाये जाने की दशा में महाविद्यालय को प्रदत्त सम्बद्धता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
6. **महाविद्यालय द्वारा मानकानुसार अनुमोदित/कार्यरत् शिक्षकों का बायोडाटा, आधार-कार्ड, अनुबन्ध पत्र वेतन भुगतान का विवरण विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने के साथ अपनी वेबसाइट पर अपलोड़ करना अनिवार्य होगा। अनुमोदित/कार्यरत् शिक्षकों के द्वारा ही परीक्षा आदि कार्य सम्पादित कराये जायेगें।**
7. **प्रत्येक वर्ष AISHE के PORTAL पर DCF-II से सम्बन्धित सूचनाएं अपलोड कराना अनिवार्य होगा।**
8. मा0 उच्च न्यायालय द्वारा रिट याचिका संख्या-61859/2012 में पारित आदेश दिनॉक 20.12.2012 के अनुपालन में मानकानुसार शिक्षकों के अनुमोदन/नियुक्ति के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेश संख्या-522/सत्तर-2-2013-2(650)/ 2012 दिनॉक 30 अप्रैल 2013 का अनुपालन महाविद्यालय द्वारा सुनिश्चित की जायेगी।

09. संस्था/महाविद्यालय द्वारा प्रवेश एवं परीक्षाओं आदि से सम्बन्धित विश्वविद्यालय परिनियमावली/अध्यादेश एवं सुसंगत शासनादेश का पालन सुनिश्चित करेगी।

10. संस्था/महाविद्यालय द्वारा शासनादेश संख्या-421/सत्तर-1-2015-16(20)/2011, दिनॉक 22 मई, 2015 के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित की जायेगी।

11. संस्था/महाविद्यालय द्वारा मानकानुसार अनुमोदित एवं कार्यरत शिक्षकों की निरन्तरता सुनिश्चित की जायेगी।

भवदीय

कुलसचिव

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. प्रबन्धक, **देव इन्द्रावती महाविद्यालय, अरखापुर, टाण्डा, अम्बेडकरनगर।**
2. परीक्षा नियन्त्रक, डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या।
3. निजी सचिव कुलपति, कुलपति जी के सूचनार्थ।
4. प्रोग्रामर, ई0डी0पी0 सेल को इस आशय से प्रेषित है कि उक्त प्रति विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने का कष्ट करें।

कुलसचिव